

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – बहिःस्थ

परीक्षा : डिसेंबर – २०२३

सत्र ३ ले

विषय: वैदिकसूक्ते आणि ब्राह्मणे (22E433)

दिनांक : ०७/१२/२०२३

गुण : १००

वेळ : दु. २.०० ते ५.००

सूचना : सर्व प्रश्न अनिवार्य

- | | | | | |
|---|--|-------------------|---------|------|
| प्र.१ | पश्चानां सटिप्पणमनुवादं लिखत। | | | (३०) |
| <p>१) यो जात एव प्रथमो मनस्वान् देवो देवान् क्रतुना पर्यभूषत्।
यस्य शुभ्माद्रोदसी अभ्यसेतां नृष्णस्य महा स जनास इन्द्रः।</p> <p>२) राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिवम्। वर्धमानं स्वे दमे॥</p> <p>३) संसमिद्युवसे वृषन्नग्रे विश्वान्यर्य आ। इळस्पदे समिध्यसे स नो वसून्या भर॥</p> <p>४) असंबाधं मध्यतो मानवानां यस्या उद्धतः प्रवतः समं बहु।
नानावीर्या ओषधीर्या बिभर्ति पृथिवी नः प्रथतां राध्यतां नः॥</p> <p>५) यस्याश्वतस्मः प्रदिशः पृथिव्या: यस्यामन्नं कृष्यः संबभूः।
या बिभर्ति बहुधा प्राणदेजत् सा नो भूमिर्गोष्वाप्यन्ने दधातु॥</p> <p>६) श्रद्धां प्रातर्हवामहे श्रद्धां मध्यन्दिनं परि।
श्रद्धां सूर्यस्य निमृचि श्रद्धे श्रद्धापयेह नः॥</p> | | | | |
| प्र.२ | टिप्पणीचतुष्टयं लिखत। | | | (३२) |
| | १. वरुणदेवता | २. गोत्रमण्डलानि | ३. सोमः | |
| | ४. आत्मविद्या | ५. संज्ञानसूक्तम् | | |
| प्र.३ | द्वौ सविस्तरम् उत्तरत। | | | (२०) |
| | <p>१. जानश्रुतिपौत्रायणकथाधारेण संवर्गविद्यां वर्णयत।</p> <p>२. इन्द्रस्य पराक्रमान्वर्णयत।</p> <p>३. नारदेणोक्तं पुत्रमाहात्म्यमिति निबन्धो लेख्यः।</p> | | | |
| प्र.४ | द्वौ समाधेयौ। | | | (१८) |
| | <p>१. पृथिवीसूक्तमधिकृत्यनिबन्धं लिखत।</p> <p>२. अथर्ववेदस्य विषयान् नामानि च लिखत।</p> <p>३. वैदिकसाहित्यं परिचाययत।</p> | | | |
